**बैंकों के प्रकार (कार्यों के साथ)**

आधुनिक अर्थव्यवस्था में विभिन्न क्षेत्रों की वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति अलग-अलग बैंकों के द्वार की जाती है । दूसरे शब्दों में, बैंकिंग के क्षेत्र में भी अन्य क्षेत्रों की तरह विशिष्टीकरण अपनाया जाता है । यही कारण है कि कृषि, उद्योग, व्यापार, निर्यात आदि के क्षेत्रों में अलग-अलग प्रकार की बैंकों की स्थापना की गई है ।

**वर्तमान समय में विभिन्न प्रकार की बैंकों और उनके द्वारा किए जाने वाले कार्यों का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है:**

**Type # 1. व्यापारिक बैंक (Commercial Banks):**

व्यापारिक बैंकों से अभिप्राय उन बैंकों से है जो एक व्यापारिक संस्थान (Business House) की तरह लाभ के दृष्टिकोण से व्यवसाय करती है । ऑक्सफोर्ड शब्दकोष के अनुसार ”व्यापारिक बैंक वह संस्थान है जो ग्राहक के आदेश पर उसके धन की सुरक्षा करती है ।”

क्राउथर के शब्दों में – ”व्यापारिक बैंक वह संस्था है जो स्वयं की तथा जनता की साख का व्यापार करती है ।” संक्षेप में यह कहा जा सकता है, जिस प्रकार उत्पादक कच्चा माल खरीद कर उसे निर्मित माल के रूप में बाजार में बेचकर लाभ कमाते हैं, उसी प्रकार व्यापारिक बैंक भी जनता से जमाए स्वीकार करते है और साख का निर्माण कर उसे जनता को बेचकर लाभ कमाते हैं । यहाँ यह उल्लेखनीय है कि विभिन्न प्रकार के जितने भी बैंक वर्तमान में कार्यरत हैं उसमें से व्यापारिक बैंक सबसे प्राचीन है ।

**व्यापारिक बैंक का संगठन (Organization of Banks):**

**संगठन की दृष्टि से व्यापारिक बैंक, में दो भागों में विभाजित किया जाता है:**

(a) इकाई बैंकिंग तथा

(b) शाखा बैंकिंग ।

**(a) इकाई बैंकिंग (Unit Banking):**

यह प्रणाली सरल व आदर्शपूर्ण है । इकाई बैंकिंग प्रणाली में एक बैंक का एक ही कार्यालय होता है तथा कुछ विशेष परिस्थितियों को छोड़कर अन्य स्थानों पर इस बैंक की शाखाएँ नहीं होती हैं । यह प्रणाली अमेरिका में अधिक लोकप्रिय है ।

**(b) शाखा बैंकिंग (Branch Banking):**

शाखा बैंकिंगवह प्रणाली होती है । जिसमें एक बैंक की अनेक शाखा होती हैं जो सम्पूर्ण देश में फैली होती हैं । यह प्रणाली भारत, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा आदि देशों में प्रचलित है ।

**व्यापारिक बैंकों के कार्य:**

**संक्षेप में व्यापारिक बैंक मुख्यतः निम्नलिखित कार्य करते हैं:**

**(1) निक्षेप स्वीकार करना (To Accept Deposits):**

ये बैंक ग्राहकों के निक्षेप (जमा) स्वीकार करते हैं । इन निक्षेपों की जमाराशियों को ग्राहकों को चुकाने का उत्तरदायित्व भी इसी पर होता है ।

**व्यापारिक बैंक:**

(i) चालू खाता,

(ii) स्थायी जमा खाता,

(iii) बचत खाता,

(iv) ग्रह बचत खाता तथा

(v) अनिश्चितकालीन खाता आदि खोलकर उनमें ग्राहकों की रकम जमा करती है ।

**(2) ऋण एवं अग्रिम प्रदान करना (To Provide Loans and Advances):**

**व्यापारिक बैंक ग्राहकों को:**

(i) साधारण और अग्रिम ऋण,

(ii) अधिविकर्ष एवं

(iii) नकद साख,

(iv) विदेशी विपत्रों को भुनाकर ऋण प्रदान करता है ।

**(3) अभिकर्ता (Agent) संबंधी कार्य:**

व्यापारिक बैंक अभिकर्ता के रूप में धन का हस्तांतरण, ग्राहकों की ओर से भुगतान एवं उनके धन का संग्रह आदि का कार्य करता है ।

**(4) अन्य कार्य (Other Function):**

व्यापारिक बैंक उक्त कार्यों के साथ विदेशी विनिमय का क्रय-विक्रय सरकार के बैंकिंग संबंधी कार्य, प्रशिक्षण, साख की सुविधा आदि से संबंधित सेवाएं भी प्रदान करता है ।

**Type # 2. औद्योगिक बैंक (Industrial Banks):**

आधुनिक युग औद्योगीकरण का युग है । वर्तमान में विशिष्टीकरण एवं श्रम-विभाजन के लाभों को प्राप्त कसे के उद्देश्य से बड़े पैमाने के उद्योगों की स्थापना को बहुत अधिक प्रोत्साहन मिल रहा है । बड़े पैमाने के उद्योगों की साख संबंधी मांग की पूर्ति करना व्यापारिक बैंक एवं अन्य बैंकों के लिए सम्भव नहीं है ।

इसलिए उद्योगों को भारी मात्रा में दीर्घकालीन साख उपलब्ध कराने के उद्देश्य से औद्योगिक बैंकों की स्थापना की गई है । औद्योगिक बैंक दीर्घकालीन साख देने के अतिरिक्त बडी औद्योगिक इकाईयों के ऋण पत्रों, बाण्ड्स एवं अंशों को बिकवाने में भी सहायता प्रदान करते हैं । ये बैंक उद्योगों के अंशों का अभिगोपन भी करते हैं ।

**औद्योगिक बैंकों के कार्य:**

**औद्योगिक बैंक के प्रमुख कार्य निम्न प्रकार हैं:**

**(1) दीर्घकालीन जमाएँ स्वीकार करना (To Accept Long-Term Deposits):**

चूँकि ये बैंक अपने ग्राहकों को दीर्घकालीन ऋण प्रदान करते हैं । इसलिए ये जनता से भी दीर्घकालीन जमाएं स्वीकार करते हैं । अल्पकालीन जमा स्वीकार करने पर ये बैंक उद्योगों की वित्तीय मांग की पूर्ति करने में असमर्थ रहते हैं । अतः ये बैंक दीर्घकालीन जमाएँ ही स्वीकार करती हैं ।

**(2) दीर्घकालीन साख की पूर्ति (To Provide Long-Term Credit):**

सामान्यतः बडे पैमाने के उद्योगों की गर्भावधि लंबी होती है । अतः वे दीर्घकालीन की मांग करते है, अर्थात् एक उद्योग 3 से 10 वर्ष के बाद लाभ प्राप्त करना प्रारम्भ करता है । ऐसी दशा में केवल औद्योगिक बैंक ही ऐसी संस्था है जो उन्हें दीर्घकालीन ऋण प्रदान करती है ।

उद्योगों को दीर्घकालीन साख की आवश्यकता अनेक कारणों से होती है, जैसे- भूमि क्रय करने, कारखाने की इमारत बनवाने, भारी मशीनें खरीदने आदि ।

**(3) औद्योगिक प्रबन्ध में भागीदारी (Participation in Industrial Management):**

पश्चिम जर्मनी के औद्योगिक बैंक ऋण लेने वाली कम्पनी के प्रबन्ध में भाग लेते हैं और कम्पनी पर नियंत्रण रखने के लिए अपने प्रतिनिधियों को इन कम्पनी की प्रबन्ध समितियों में रखते हैं । भारत में भी यह नीति अपनाई जाती है ।

**(4) निर्यात के लिए सहायता (Helpful in Exports):**

औद्योगिक बैंक निर्यात के लिए सहायता देते हैं ।

**इसमें:**

(i) वे निर्यात के लिए प्रत्यक्ष ऋण देते हैं ।

(ii) निर्यात साख के लिए पुनर्वित प्रदान करते हैं ।

(iii) सरकार के अनुमोदन पर विदेशी मुद्रा में भी ऋण देते हैं ।

(iv) निर्यात पर गारण्टी प्रदान करते हैं ।

**(5) अन्य (Others):**

उक्त कार्यों के अतिरिक्त ये बैंक अन्य अनेक कार्य करते हैं, जैसे- कम्पनियों के अंशपत्रों का विज्ञापन करना, उन्हें बेचना एवं उनका अभिगोपन करना । इसके अतिरिक्त अपने विनियोक्ता ग्राहकों को विभिन्न कंपनियों में विनियोग करने या ना करने की सलाह भी देते हैं ।

**Type # 3. कृषि बैंक (Agriculture Banks):**

कृषि की प्रकृति, उद्योग, व्यापार एवं वाणिज्य की प्रकृति से भिन्न होती है । इसीलिए कृषि के लिये जिस साख की आवश्यकता होती है उसकी प्रकृति उद्योगों की साख से भिन्न होती है । यही कारण है कि कृषि साख के लिए एक भिन्न प्रकार के बैंकों की आवश्यकता होती है ।

**कृषि को दो प्रकार के ऋणों की आवश्यकता होती है:**

**(i) अल्पकालीन ऋण:**

यह ऋण कृषक बीज, खाद, सिंचाई, गुड़ाई, हल आदि क्रय करने के लिए लेता है । इस प्रकार के ऋणों की पूर्ति कृषि सहकारी समितियों एवं बैंकों के द्वारा की जाती है ।

**(ii) दीर्घकालीन ऋण:**

कृषकों को इस प्रकार के ऋण की आवश्यकता पुराने ऋण चुकाने, लघु सिंचाई, भू-संरक्षण, बंजर भूमि को तोड़कर कृषि योग्य बनाने, भूमि क्रय करने भूमि में स्थायी सुधार करने, भारी मशीनें खरीदने आदि के लिए होता है । कृषकों को दीर्घकालीन ऋण भूमि विकास बैंक जैसी संस्थाओं से प्राप्त होते हैं ।

**कृषि बैंकों के प्रकार एवं कार्य:**

**कृषि से सम्बन्धित बैंक के प्रकार एवं उनके कार्य निम्नलिखित हैं:**

**(i) कृषि सहकारी बैंक (Agricultural Cooperative Banks):**

ये बैंक कृषकों को कम ब्याज पर अल्पकालीन आवश्यकता के लिए ऋण देते हैं । कृषि सहकारी बैंक सहकारी साख समिति के नाम से भी जाने जाते हैं ।

**इन बैंकों का ढाँचा तीन स्तरों में विभाजित होता है:**

(अ) ग्रामीण स्तर पर,

(ब) जिला स्तर पर और,

(स) प्रान्तीय स्तर पर ।

इन बैंकों की पूंजी प्रवेश शुल्कों, अंशों की बिक्री, जनता एवं सदस्य के द्वार जमा किये गये निक्षेपों, सुरक्षित कोषों, केन्द्रीय एवं राज्य सहकारी बैंकों के लिये गए ऋणों आदि से प्राप्त होती है । ये उत्पादक एवं अनुत्पादक दोनों प्रकार के ऋण देते है ।

**(ii) भूमि विकास बैंक (Land Development):**

भूमि विकास बैंक का पुराना नाम भूमि बन्धक बैंक था । ये बैंक दीर्घकालीन अर्थात् 5 से 20 वर्षों के लिए भूमि गिरवी रखकर कृषकों को ऋण प्रदान करते है । कहीं-कहीं ये बैंक इसमें भी अधिक अवधि के लिए ऋण देते हैं । इन ऋणों का भुगतान प्रायः आसान किश्तों पर किया जाता है जो एक निश्चित समय के बाद प्रारम्भ होता है ।

**Type # 4. विदेशी विनिमय बैंक (Foreign Exchange Banks):**

विदेशी विनिमय बैंक केवल विदेशी व्यापार के लिए वित्त प्रबन्ध करते हैं । यह सर्वविदित है कि प्रत्येक देश अपने माल की कीमत अपनी ही मुद्रा में लेना चाहता है । इस कारण एक देश की मुद्रा को दूसरे देश की मुद्रा में परिवर्तित करने की समस्या उत्पन्न होती है ।

इसी समस्या को हल करने के लिए विदेशी विनिमय बैंकों की स्थापना की जाती है । ये बैंक अपने पास विभिन्न देशों की मुद्राएँ रखते हैं और इन्हीं मुद्राओं में लेन-देन करते हैं । ये बैंक विदेशों में अपनी शाखाएँ खोलते हैं ।

**विदेशी विनिमय बैंकों के कार्य:**

**इन बैंकों के कार्य निम्नलिखित हैं:**

**(a) विनिमय बिलों का क्रय-विक्रय (Sale and Purchase of Exchange Bills):**

ये बैंक विदेशी विनिमय बिलों का क्रय-विक्रय करके अन्तर्राष्ट्रीय भुगतानों का निपटाय करते हैं । इस बैंक की कार्य विधि इस प्रकार होती है- जब किसी एक देश की विनिमय बैंक की एक शाखा विनिमय बिल खरीदती है और उस विनिमय बिल की कीमत उस देश की मुद्रा में चुकाती है तब वह शाखा उस बिल के विदेश में स्थित अपनी शाखा को भेजती है और वह शाखा उस बैंक से जिसके नाम विनिमय बिल रखा गया है, धन वसूल कर लेती है । इस कार्यविधि में विभिन्न देशों में मुद्रा का स्थानान्तरण नहीं होता तथा मुद्रा के बिना सुगमतापूर्वक अंतर्राष्ट्रीय भुगतान हो जाते हैं ।

**(b) विदेशी ऋणों का भुगतान (Payment of Foreign Debts):**

ये बैंक सोना, चांदी एवं प्रतिभूतियों का आयात-निर्यात करके अंतर्राष्ट्रीय ऋणों का भुगतान करने में सहयोग देते हैं ।

**(c) विदेशी विनिमय का क्रय-विक्रय करना (Sale and Purchase of Foreign Exchange):**

ये बैंक विदेशी विनिमय का क्रय-विक्रय करते हैं । इससे विदेशी विनिमय दरों में होने वाले उच्चावचनों को कम किया जाता है । इस प्रकार ये बैंक व्यापारियों को विनिमय दरों में परिवर्तन के कारण उत्पन्न होने वाली जोखिम से बचाते हैं ।

**(d) अन्य (Others):**

**विदेशी विनिमय बैंक उपर्युक्त कार्यों के अतिरिक्त निम्नलिखित कार्य भी करता है:**

(i) निक्षेप स्वीकार करना,

(ii) ऋण प्रदान करना,

(iii) अंतर्राष्ट्रीय ऋणों का भूगतान करना,

(iv) प्रतिभूतियों का आयात-निर्यात करना,

(v) विनिमय दरों में होने वाले परिवर्तन को रोकना,

(vi) अग्रिम विनिमय व्यापार का कार्य करना ।

इन सभी कार्यों में विदेशी विनिमय बैंक व्यापारियों को अनिश्चितता की जोखिम से होने वाली हानियों से बचाते हैं ।

**Type # 5. केन्द्रीय बैंक (Central Bank):**

आधुनिक बैंकिंग व्यवस्था में केंद्रीय बैंक का महत्वपूर्ण स्थान है । केन्द्रीय बैंक की स्थापना देश की बैंकिंग व्यवस्था में नियंत्रित एवं नियमित कराने, देश में मुद्रा व साख पर अंकुश रखने तथा सरकार की मौद्रिक नीति को सफल बनाने के लिए की गई है । वर्तमान में विश्व के लगभग सभी देशों में केंद्रीय बैंक की स्थापना की जा चुकी है । विभिन्न देशों के केन्द्रीय बैंकों में सैद्धान्तिक समानता है किन्तु व्यावहारिक नीतियों में भिन्नता भी पायी जाती है ।

**Type # 6. अंतर्राष्ट्रीय बैंक (International Bank):**

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक समस्याओं में हल करने के लिए समय-समय पर अंतर्राष्ट्रीय बैंकों की स्थापना की गई है । प्रारंभ में अंतर्राष्ट्रीय बैंक का प्रमुख कार्य जर्मनी के द्वारा मित्र देशों द्वारा किये गये युद्ध सम्बन्धी खर्चों का निपटारा करना था । द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दो अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की स्थापना की गई । ये हैं- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं अंतर्राष्ट्रीय पुननिर्माण एवं विकास बैंक ।

**इन संस्थाओं के प्रमुख कार्य निम्न प्रकार हैं:**

**(i) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के कार्य (Functions of International Monetary Fund):**

(a) यह बैंक सदस्य देशों को अल्पकालीन आर्थिक सहायता प्रदान करता है । यह आर्थिक सहायता मुख्यतः संकट काल में विनिमय दर की कठिनाईयों को हल करने या भुगतान संतुलन के घाटे को पूरा करने के लिए दी जाती है ।

(b) सदस्य देशों को तकनीकी सहायता देता है ।

(c) विदेशी विनिमय सम्बन्धी परामर्श देता है ।

(d) सदस्य देशों के बैंक अधिकारियों को प्रशिक्षण देता है ।

**(ii) विश्व बैंक के कार्य (Functions of World Bank):**

(a) यह सदस्य देशों के आर्थिक विकास एवं युद्ध में नष्ट होने पर उसके पुनर्निर्माण के लिए ऋण प्रदान करता है ।

(b) यह गारण्टी देकर अन्य राष्ट्रों से सदस्य देशों के ऋण दिलाता है ।

(c) यह तकनीकी सहायता देता है ।

(d) सदस्य देशों के बैंक अधिकारियों को प्रशिक्षण भी देता है ।

(e) अंतर्राष्ट्रीय विवादों को सुलझाने में सहायता प्रदान करता है ।

**Type # 7. बचत बैंक (Savings Bank):**

कम आय समूह वाले लोगों में बचत प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से बचत बैंक की स्थापना की जाती है । ये बचत बैंक छोटी-छोटी बचतों को जमा के रूप में स्वीकार करते हैं । ये व्यापारिक बैंकों की सहायक बैंक के रूप में कार्य करते है । ये बैंक बचत बढ़ाने के लिये ग्राहकों को अनेक प्रकार की सुविधाएँ प्रदान करते है । पश्चिम देशों में, विशेषकर अमेरिका, इंग्लैण्ड, जर्मनी आदि देशों में इनका प्रचलन बहुत लम्बे समय से है । भारत में डाकघर, बचत बैंक के रूप में कार्य कर रहा है ।

**Type # 8. देशी बैंकर्स (Indigenous Bankers):**

देशी बैंकर्स विश्व के सभी देशों में पाये जाते हैं । देशी बैंकर्स के अंतर्गत साहूकार, सुनार महाजन आदि को सम्मिलित किया जाता है । भारत जैसे अल्पविकसित देशों में ये 50 से 60 प्रतिशत साख प्रदान करते हैं ।

**इनके प्रमुख कार्य हैं:**

(i) उत्पादक एवं अनुत्पादक ऋण प्रदान करना,

(ii) भूमि, जमीन, जायदाद आदि गिरवी रखकर ऋण देना । ये बैंकर्स कई बार विश्वास पर बिना जमानत के भी ऋण देते हैं,

(iii) ये हुण्डियों पर ऋण प्रदान करते हैं ।

(iv) नकद धन के अतिरिक्त ये वस्तुओं और सेवाओं के रूप में ऋण देते हैं, किन्तु इन वस्तुओं और सेवाओं की मात्रा मुद्रा से आंक ली जाती है ।

(v) इनका व्यक्तियों से निकटतम सम्पर्क होता है ।

## बैंकों के प्रकार

बैंकिंग उद्योग कैश और लोन (क्रेडिट) सहित एक देश में फाइनेंस को संभालता है। बैंक वो इंस्टिट्यूशन हैं जो ग्राहकों के रुपये जमा करते हैं और संस्थाओं/ कॉर्पोरेट्स को लोन देते हैं और देश की अर्थव्यवस्था को बनाए रखने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। अर्थव्यवस्था में उनके महत्व को देखते हुए, अधिकांश देशों में बैंकिंग के सख्त नियम बनाए जाते हैं। भारत में, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) देश का मुख्य बैंकिंग संस्थान है जो देश की मौद्रिक नीति को नियंत्रित करता है

बैंकों को चार प्रकार में बाटा गया है:

* [कमर्शियल बैंक](https://www.paisabazaar.com/hindi/banking/#commercial_banks)
* [स्मॉल फाइनेंस बैंक](https://www.paisabazaar.com/hindi/banking/#small_finance_banks)
* [पेमेंट बैंक](https://www.paisabazaar.com/hindi/banking/#payments_bank)
* [सहकारी बैंक](https://www.paisabazaar.com/hindi/banking/#co_operative_banks)

कमर्शियल बैंक को पब्लिक सेक्टर के बैंकों, प्राइवेट सेक्टर के बैंकों, विदेशी बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के रूप में बाटा गया है। वहीं, कॉपरेटिव बैंकों को शहरी और ग्रामीण में बांटा गया है। इनके अलावा एक नया बैंक पेमेंट बैंक है।



## [कमर्शियल बैंक](https://www.paisabazaar.com/hindi/banking/%22%20%5Cl%20%221549541040170-48e6e8a3-778f)

कॉमर्शियल बैंकों को बैंकिंग रेग्युलेशन, 1949 के तहत रेग्युलेट किया जाता है और उनको व्यापार मॉडल को लाभ देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। उनका मुख्य कार्य रुपये जमा करना और आम जनता, कॉर्पोरेट और सरकार को लोन देना है। कॉमर्शियल बैंकों कों 4 भागों में बांट सकते हैं।

|  |  |
| --- | --- |
| [**सार्वजानिक क्षेत्र के बैंक**](https://www.paisabazaar.com/hindi/banking/#public_sector_banks) | [**निजी क्षेत्र के बैंक**](https://www.paisabazaar.com/hindi/banking/#private_sector_banks) |
| [**विदेशी बैंक**](https://www.paisabazaar.com/hindi/banking/#foreign_banks) | [**ग्रामीण क्षेत्रीय बैंक**](https://www.paisabazaar.com/hindi/banking/#regional_rural_banks) |

### [सार्वजानिक क्षेत्र बैंक](https://www.paisabazaar.com/hindi/banking/%22%20%5Cl%20%221549541140484-89448e47-4463)

ये राष्ट्रीयकृत बैंक हैं और देश के कुल बैंकिंग कारोबार में इनका 75% से अधिक हिस्सा है। इन बैंकों की अधिकांश हिस्सेदारी सरकार के पास होता है। नेटवर्क के आधार पर SBI भारत का सबसे बड़ा पब्लिक सेक्टर का बैंक है और 5 सहयोगी बैंकों (1 अप्रैल 2017 को) के साथ विलय के बाद इसे दुनिया के शीर्ष 50 बैंकों में स्थान मिला है।

इस समय देश में कुल 20 पब्लिक सेक्टर बैंक हैं जो निम्नलिखित हैं:

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| [स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया](https://www.paisabazaar.com/hindi/sbi-bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) | [बैंक ऑफ़ इंडिया](https://www.paisabazaar.com/hindi/bank-of-india/%22%20%5Ct%20%22_blank) | [इलाहाबाद बैंक](https://www.paisabazaar.com/hindi/allahabad-bank/%22%20%5Ct%20%22_blank)  |
| [बैंक ऑफ़ महाराष्ट्र](https://www.paisabazaar.com/hindi/bank-of-maharashtra/%22%20%5Ct%20%22_blank) | [केनरा बैंक](https://www.paisabazaar.com/hindi/canara-bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) | [इंडियन ओवरसीस बैंक](https://www.paisabazaar.com/hindi/indian-overseas-bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) |
| [पंजाब & सिंध बैंक](https://www.paisabazaar.com/punjab-and-sind-bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) | [पंजाब नेशनल बैंक](https://www.paisabazaar.com/hindi/punjab-national-bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) | सिंडिकेट बैंक |
| कॉर्पोरेशन बैंक | [आंध्रा बैंक](https://www.paisabazaar.com/hindi/andhra-bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) | [यूको बैंक](https://www.paisabazaar.com/hindi/uco-bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) |
| [बैंक ऑफ़ बड़ोदा](https://www.paisabazaar.com/hindi/bank-of-baroda/%22%20%5Ct%20%22_blank) | [यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया](https://www.paisabazaar.com/hindi/union-bank-india/%22%20%5Ct%20%22_blank) | [यूनाइटेड बैंक ऑफ़ इंडिया](https://www.paisabazaar.com/hindi/united-bank-india/%22%20%5Ct%20%22_blank) |
| विजय बैंक | देना बैंक | [इंडियन बैंक](https://www.paisabazaar.com/hindi/indian-bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) |
| [ओरिएंटल बैंक ऑफ़ कॉमर्स](https://www.paisabazaar.com/hindi/oriental-bank-of-commerce/%22%20%5Ct%20%22_blank) | [सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया](https://www.paisabazaar.com/hindi/central-bank-of-india/%22%20%5Ct%20%22_blank) |

### [निजी क्षेत्र के बैंक](https://www.paisabazaar.com/hindi/banking/%22%20%5Cl%20%221549541495288-89372d07-a200)

इनमें वे बैंक शामिल हैं जिनमें प्रमुख हिस्सेदारी या इक्विटी प्राइवेट शेयरधारकों के पास है। RBI द्वारा निर्धारित सभी बैंकिंग नियम और कानून प्राइवेट सेक्टर बैंक पर भी लागू होते हैं। भारत में प्राइवेट सेक्टर बैंकों की लिस्ट निम्नलिखित है।

HDFC बैंक ICICI बैंक एक्सिस बैंक यस बैंक इंडसइंड बैंक कोटक महिंद्रा बैंक

DCB बैंक बंधन बैंक IDFC बैंक सिटी यूनियन बैंक तमिलनाडु मर्सेनटाइल बैंक

नैनीताल बैंक कैथोलिक सीरियन बैंक फ़ेडरल बैंक जम्मू एंड कश्मीर बैंक कर्नाटक बैंक

धनलक्ष्मी बैंक साउथ इंडियन बैंक लक्ष्मी विलास बैंक RBL बैंक करूर वैश्य बैंक IDBI बैंक

### [विदेशी बैंक](https://www.paisabazaar.com/hindi/banking/%22%20%5Cl%20%221549541541416-4ceea17f-1b90)

फॉरेन बैंक वह है जिसका मुख्यालय किसी अन्य देश में है, लेकिन वह भारत में एक प्राइवेट कम्पनी के रूप में काम करता है। ये बैंक अपने देश के साथ-साथ जिस देश में काम कर रहे हैं उनके नियमों का भी पालन करते हैं। नीचे भारत में काम कर रहे फॉरेन बैंकों की लिस्ट दी गई है।

|  |
| --- |
| **भारत में विदेशी बैंकों की लिस्ट** |
| ऑस्ट्रेलिया एंड न्यू ज़ीलैण्ड बैंकिंग ग्रुप लिमि. | नेशनल ऑस्ट्रेलिया बैंक | वेस्टपेक बैंकिंग कॉर्पोरेशन |
| बैंक ऑफ़ बहरीन & कुवैत बी.एस.सी | ऐ.बी बैंक लिमि. | सोनाली बैंक लिमि. |
| बैंक ऑफ़ नोवा स्कोटिआ | इंडस्ट्रियल & कमर्शियल बैंक ऑफ़ चाइना लिमि. | बी.एन..पी परिबास |
| क्रेडिट अग्रिकोल कॉर्पोरेट & इंवेस्टमेंट | सोसिएट जनरल | ड्यूश बैंक |
| [HSBC बैंक](https://www.paisabazaar.com/hindi/hsbc-bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) | पिटी बैंक मैबैंक इंडोनेशिया टी.बी.के | मिज़ुहो बैंक लिमि. |
| सुमीटोमो बैंकिंग कॉर्पोरेशन मीशु बैंकिंग कॉर्पोरेशन | एम.यू.एफ.जी बैंक लिमि. | कॉपरेटिव रोबो बैंक यू.ए. |
| दोहा बैंक क्यू. पी.एस.सी | क़तर नेशनल बैंक | जेएससी वीटीबी बैंक |
| बेर बैंक | यूनाइटेड ओवरसीस बैंक लिमि. | फर्स्ट रैंड बैंक लिमि. |
| शिनहन बैंक | वूरी बैंक | के.ई.बी हाना बैंक |
| इंडस्ट्रियल बैंक ऑफ़ कोरिया | बैंक ऑफ़ केलोन | क्रेडिट सियूस ऐ.जी |
| सी.टी.बी.सी बैंक को. लिमि. | क्रुंग थाई बैंक पब्लिक कंपनी लिमिटेड | अबू धाबी कमर्शियल बैंक लिमि. |
| मशरेक बैंक पीएससी | फर्स्ट अबू धाबी बैंक पी.जे.एस.सी | एमिराट्स बैंक एन.बी.डी |
| बार्कलेज बैंक पीएलसी | [स्टैण्डर्ड चार्टर्ड बैंक](https://www.paisabazaar.com/hindi/standard-chartered-bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) | रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड पीएलसी |
| अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्पोरेशन | बैंक ऑफ़ अमेरिका | [सिटी बैंक](https://www.paisabazaar.com/hindi/citibank/%22%20%5Ct%20%22_blank) |
| जे.पी मॉर्गन चेस बैंक एन.ए | कूकमिन बैंक | एसबीएम बैंक (इंडिया) लिमिटेड |
| [डी.बी.एस बैंक इंडिया लिमिटेड](https://www.paisabazaar.com/hindi/dbs-bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) |

### [क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक](https://www.paisabazaar.com/hindi/banking/%22%20%5Cl%20%221549541590179-675a6697-b530)

ये भी एक कॉमर्शियल बैंक है, लेकिन ये कृषि मजदूरों, किसानों और छोटे व्यापारियों जैसे समाज के कमज़ोर वर्गों को लोन देने के मुख्य उद्देश्य से बनाए गए हैं। ये बैंक आमतौर पर भारत के विभिन्न राज्यों में क्षेत्रीय स्तर पर काम करते हैं और इनकी शहरी क्षेत्रों में भी शाखाएं हो सकती हैं। इसके कार्य निम्नलिखित हैं:

* ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाएं प्रदान करना
* सरकारी कार्य जैसे कि मनरेगा मज़दूरों की मज़दूरी देना, पेंशन बाटना आदि
* पैरा-बैंकिंग सुविधाएं जैसे डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड और लॉकर प्रदान करना

## [स्मॉल फाइनेंस बैंक](https://www.paisabazaar.com/hindi/banking/%22%20%5Cl%20%221566457498388-b2ae1530-5c96)

इसका उद्देश्य समाज के उन लोगों को फाइनेंशियल मदद करना है जिन्हें अन्य बैंकों द्वारा यह सेवा नहीं दी जाती है। स्मॉल फाइनेंस बैंकों के मुख्य ग्राहकों में छोटे उद्योग, किसान, और छोटे व्यवसाय (स्मॉल बिज़नस) शामिल हैं। इन्हें बैंकिंग रेग्युलेशन एक्ट, 1949 की धारा 22 के तहत लाइसेंस प्राप्त है और RBI अधिनियम, 1934 और FEMA के प्रावधानों द्वारा शासित हैं।

|  |  |
| --- | --- |
| ऐ.यू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमि. | कैपिटल स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमि. |
| फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमि. | इक्वीटस स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमि. |
| ई.एस.ए.एफ स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमि. | सुरोदय स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमि. |
| उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमि. | [उत्कर्ष स्मॉल बैंक लिमि.](https://www.paisabazaar.com/hindi/utkarsh-bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) |
| नॉर्थ ईस्ट स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमि.  | जाना स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमि. |

## [पेमेंट बैंक](https://www.paisabazaar.com/hindi/banking/%22%20%5Cl%20%221566457498499-1849f13d-cc7c)

यह भारतीय बैंकिंग उद्योग में बैंक का नया मॉडल है। इसकी स्थापना RBI द्वारा की गई थी और यह सीमित राशि ही जमा कर सकते हैं। वर्तमान में यह सीमा 1 लाख रुपये प्रति ग्राहक तक सीमित है। ये बैंक ATM कार्ड, डेबिट कार्ड, नेट-बैंकिंग और मोबाइल-बैंकिंग जैसी सेवाएं प्रदान करते हैं।

## [कॉपरेटिव बैंक](https://www.paisabazaar.com/hindi/banking/%22%20%5Cl%20%221566457700240-804c4684-44b8)

कॉपरेटिव बैंकों को सहकारी समितियों अधिनियम, 1912 के तहत रजिस्टर किया जाता है और वे एक चुनी गई मैनेजमेंट कमेटी द्वारा चलाए जाते हैं। ये नो-प्रॉफिट नो-लॉस के आधार पर काम करते हैं और मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों में कारोबारियों, छोटे व्यवसायों, उद्योगों और स्वरोजगारों को सेवाएं देते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में, वे मुख्य रूप से कृषि-आधारित गतिविधियों जैसे खेती, पशुधन आदि को सेवाएं देते हैं।

|  |  |
| --- | --- |
| [**शहरी कॉपरेटिव बैंक**](https://www.paisabazaar.com/hindi/banking/#urban_co_operative_banks) | [**स्टेट कॉपरेटिव बैंक**](https://www.paisabazaar.com/hindi/banking/#state_co_operative_banks) |

### [शहरी कॉपरेटिव बैंक](https://www.paisabazaar.com/hindi/banking/%22%20%5Cl%20%221566458086353-cb941ec8-470b)

शहरी कॉपरेटिव बैंक शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में स्थित प्राथमिक सहकारी बैंकों से संबंधित होते हैं। ये बैंक अनिवार्य रूप से समुदायों, इलाकों के काम करने वाले समूहों के आसपास केंद्रित छोटे व्यवसायों को उधार देते हैं।

RBI के अनुसार, 31 मार्च, 2003 को 2,104 शहरी कॉपरेटिव बैंक थे जिनमें से 56 अनुसूचित बैंक थे। इनमें से लगभग 79% पांच राज्यों में स्थित हैं, – आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तमिलनाडु।

### [स्टेट कॉपरेटिव बैंक](https://www.paisabazaar.com/hindi/banking/%22%20%5Cl%20%221566458086473-10a9fd53-6411)

स्टेट कॉपरेटिव बैंक केंद्रीय सहकारी बैंक का एक समूह है जो राज्य में सहकारी बैंकिंग संरचना के संरक्षक के रूप में काम करता है।

बैंकों को अनुसूचित और गैर-अनुसूचित बैंकों के आधार पर भी बांटा जा सकता है। प्रत्येक व्यक्ति के लिए यह जानकारी आवश्यक है कि उनका बचत या जमा खाता अनुसूचित बैंक या गैर-अनुसूचित बैंक के पास है। अनुसूचित बैंक डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन (DICGC) के जमाकर्ता बीमा कार्यक्रम के अंतर्गत आते हैं, जो बचत जमा करने वाले और FD/ RD वाले सभी खाताधारकों के लिए फायदेमंद है। DICGC के तहत, बैंक की के फेल होने की स्थिति में 1 लाख रुपये तक के बैंक जमा का बीमा किया जाता है।

## [अनुसूचित बैंक](https://www.paisabazaar.com/hindi/banking/%22%20%5Cl%20%221566459546472-e37fdd99-7262)

अनुसूचित बैंक भारतीय रिज़र्व बैंक एक्ट, 1934 की दूसरी अनुसूची के अंतर्गत आते हैं। अनुसूचित बैंक बनने के लिए, बैंक को निम्नलिखित शर्तों के अनुसार होना चाहिए:

* बैंक जिसके पास 5 लाख रुपए या ज़्यादा की पूँजी है, वे अनुसूची बैंक श्रेणी के लिए योग्य है
* बैंक को केंद्रीय बैंक को ये सुनिश्चित करना होता है कि उसकी पॉलिसी से बैंक के ग्राहकों को कोई हानि नहीं पहुंचेगी
* बैंक को एक प्रोपिटरशिप या पार्टनरशिप फर्म के बजाय एक कम्पनी होना चाहिए

## [गैर-अनुसूचित बैंक](https://www.paisabazaar.com/hindi/banking/%22%20%5Cl%20%221566459546541-b1d0613b-c315)

गैर-अनुसूचित बैंक स्थानीय क्षेत्र के बैंकों संबंधित होते हैं जो भारतीय रिज़र्व बैंक की दूसरी अनुसूची में नहीं आते हैं। गैर-अनुसूचित बैंकों को भी RBI के साथ नहीं बल्कि खुद ही ‘कैश रिज़र्व रिकुवायरमेंट’ को बनाए रखने की आवश्यकता होती है।

**Classification of Banks in India**

The banking industry handles finances in a country including cash and credit. Banks are the institutional bodies that accept deposits and grant credit to the entities and play a major role in maintaining the economic stature of a country. Given their importance in the economy, banks are kept under strict regulation in most of the countries. In India, the Reserve Bank of India (RBI) is the apex banking institution that regulates the monetary policy in the country.

Banks are classified into classified into four categories –

* [Commercial Banks](https://www.paisabazaar.com/banking/#commercial_banks)
* [Small Finance Banks](https://www.paisabazaar.com/banking/#small_finance_banks)
* [Payments Banks](https://www.paisabazaar.com/banking/#payments_bank)
* [Co-operative Banks](https://www.paisabazaar.com/banking/#co_operative_banks)

Commercial Banks can be further classified into public sector banks, private sector banks, foreign banks and Regional Rural Banks (RRB). On the other hand, cooperative banks are classified into urban and rural. Apart from these, a fairly new addition to the structure is payments bank.



## [Commercial Banks](https://www.paisabazaar.com/banking/%22%20%5Cl%20%221549541040170-48e6e8a3-778f)

Commercial Banks are regulated under the Banking Regulation Act, 1949 and their business model is designed to make profit. Their primary function is to accept deposits and grant loans to the general public, corporate and government. Commercial banks can be divided into-

|  |  |
| --- | --- |
| [**Public Sector Banks**](https://www.paisabazaar.com/banking/#public_sector_banks) | [**Private Sector Banks**](https://www.paisabazaar.com/banking/#private_sector_banks) |
| [**Foreign Banks**](https://www.paisabazaar.com/banking/#foreign_banks) | [**Regional Rural Banks**](https://www.paisabazaar.com/banking/#regional_rural_banks) |

### [Public Sector Banks](https://www.paisabazaar.com/banking/%22%20%5Cl%20%221549541140484-89448e47-4463)

These are the nationalised banks and account for more than 75 per cent of the total banking business in the country. Majority of stakes in these banks are held by the government. In terms of volume, SBI is the largest public sector bank in India and after its merger with its 5 associate banks (as on 1st April 2017) it has got a position among the top 50 banks of the world.

**There are a total of 20 nationalised banks in the country namely below:**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| [State Bank of India](https://www.paisabazaar.com/sbi-bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) | [Bank of India](https://www.paisabazaar.com/bank-of-india/%22%20%5Ct%20%22_blank) | [Allahabad Bank](https://www.paisabazaar.com/allahabad-bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) |
| [Bank of Maharashtra](https://www.paisabazaar.com/Bank-of-Maharashtra/%22%20%5Ct%20%22_blank) | [Canara Bank](https://www.paisabazaar.com/Canara-Bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) | [Indian Overseas Bank](https://www.paisabazaar.com/Indian-Overseas-Bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) |
| [Punjab & Sind Bank](https://www.paisabazaar.com/punjab-and-sind-bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) | [Punjab National Bank](https://www.paisabazaar.com/Punjab-National-Bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) | [Syndicate Bank](https://www.paisabazaar.com/Syndicate-Bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) |
| [Corporation Bank](https://www.paisabazaar.com/Corporation-Bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) | [Andhra Bank](https://www.paisabazaar.com/Andhra-Bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) | [UCO Bank](https://www.paisabazaar.com/UCO-Bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) |
| [Bank of Baroda](https://www.paisabazaar.com/Bank-of-Baroda/%22%20%5Ct%20%22_blank) | [Union Bank of India](https://www.paisabazaar.com/Union-Bank-of-India/%22%20%5Ct%20%22_blank) | [United Bank of India](https://www.paisabazaar.com/United-Bank-of-India/%22%20%5Ct%20%22_blank) |
| [Vijaya Bank](https://www.paisabazaar.com/Vijaya-Bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) | [Dena Bank](https://www.paisabazaar.com/Dena-Bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) | [Indian Bank](https://www.paisabazaar.com/Indian-Bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) |
| [Oriental Bank of Commerce](https://www.paisabazaar.com/Oriental-Bank-of-Commerce/%22%20%5Ct%20%22_blank) | [Central Bank of India](https://www.paisabazaar.com/Central-Bank-of-India/%22%20%5Ct%20%22_blank) |

### [Private Sector Banks](https://www.paisabazaar.com/banking/%22%20%5Cl%20%221549541495288-89372d07-a200)

These include banks in which major stake or equity is held by private shareholders. All the banking rules and regulations laid down by the RBI will be applicable on private sector banks as well. Given below is the list of private-sector banks in India-

HDFC Bank

ICICI Bank

Axis Bank

YES Bank

IndusInd Bank

Kotak Mahindra Bank

DCB Bank

Bandhan Bank

IDFC Bank

City Union Bank

Tamilnad Mercantile Bank

Nainital Bank

Catholic Syrian Bank

Federal Bank

Jammu and Kashmir Bank

Karnataka Bank

Dhanlaxmi Bank

South Indian Bank

Lakshmi Vilas Bank

RBL Bank

Karur Vysya Bank

IDBI Bank

### [Foreign Banks](https://www.paisabazaar.com/banking/%22%20%5Cl%20%221549541541416-4ceea17f-1b90)

A foreign bank is one that has its headquarters in a foreign country but operates in India as a private entity. These banks are under the obligation to follow the regulations of its home country as well as the country in which they are operating. Given below is the list of foreign banks operating in India –

|  |
| --- |
| **List of Foreign Banks in India** |
| Australia and New Zealand Banking Group Ltd. | National Australia Bank | Westpac Banking Corporation |
| Bank of Bahrain & Kuwait BSC | AB Bank Ltd. | Sonali Bank Ltd. |
| Bank of Nova Scotia | Industrial & Commercial Bank of China Ltd. | BNP Paribas |
| Credit Agricole Corporate & Investment Bank | Societe Generale | [Deutsche Bank](https://www.paisabazaar.com/deutsche-bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) |
| [HSBC Bank](https://www.paisabazaar.com/hsbc-bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) | PT Bank Maybank Indonesia TBK | Mizuho Bank Ltd. |
| Sumitomo Mitsui Banking Corporation | MUFG Bank, Ltd. | Cooperatieve Rabobank U.A. |
| Doha Bank Q.P.S.C | Qatar National Bank (Q.P.S.C.) | JSC VTB Bank |
| Sberbank | United Overseas Bank Ltd | FirstRand Bank Ltd |
| Shinhan Bank | Woori Bank | KEB Hana Bank |
| Industrial Bank of Korea | Bank of Ceylon | Credit Suisse A.G |
| CTBC Bank Co., Ltd. | Krung Thai Bank Public Co. Ltd. | Abu Dhabi Commercial Bank Ltd. |
| Mashreq Bank PSC | First Abu Dhabi Bank PJSC | Emirates Bank NBD |
| Barclays Bank Plc. | [Standard Chartered Bank](https://www.paisabazaar.com/standard-chartered-bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) | The Royal Bank of Scotland plc |
| [American Express Banking Corporation](https://www.paisabazaar.com/amex-bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) | Bank of America | [Citibank](https://www.paisabazaar.com/citibank/%22%20%5Ct%20%22_blank) |
| J.P. Morgan Chase Bank N.A | Kookmin Bank | SBM Bank (India) Limited |
| [DBS Bank India Limited](https://www.paisabazaar.com/dbs-bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) |

### [Regional Rural Banks](https://www.paisabazaar.com/banking/%22%20%5Cl%20%221549541590179-675a6697-b530)

These are also scheduled commercial banks but they are established with the main objective of providing credit to weaker sections of the society like agricultural labourers, marginal farmers and small enterprises. They usually operate at regional levels in different states of India and may have branches in selected urban areas as well. Other important functions carried out by RRBs include-

* Providing banking and financial services to rural and semi-urban areas
* Government operations like disbursement of wages of MGNREGA workers, distribution of pensions, etc.
* Para-Banking facilities like debit cards, credit cards and locker facilities

## [Small Finance Banks](https://www.paisabazaar.com/banking/%22%20%5Cl%20%221566457498388-b2ae1530-5c96)

This is a niche banking segment in the country and is aimed to provide financial inclusion to sections of the society that are not served by other banks. The main customers of small finance banks include micro industries, small and marginal farmers, unorganized sector entities and small business units. These are licensed under Section 22 of the Banking Regulation Act, 1949 and are governed by the provisions of RBI Act, 1934 and FEMA.

|  |  |
| --- | --- |
| Au Small Finance Bank Ltd. | Capital Small Finance Bank Ltd. |
| Fincare Small Finance Bank Ltd. | [Equitas Small Finance Bank Ltd.](https://www.paisabazaar.com/equitas-small-finance-bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) |
| [ESAF Small Finance Bank Ltd.](https://www.paisabazaar.com/esaf-microfinance/%22%20%5Ct%20%22_blank) | [Suryoday Small Finance Bank Ltd.](https://www.paisabazaar.com/suryoday-bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) |
| [Ujjivan Small Finance Bank Ltd.](https://www.paisabazaar.com/ujjivan/%22%20%5Ct%20%22_blank) | [Utkarsh Small Finance Bank Ltd.](https://www.paisabazaar.com/utkarsh-bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) |
| North East Small Finance Bank Ltd. | [Jana Small Finance Bank Ltd.](https://www.paisabazaar.com/jana-bank/%22%20%5Ct%20%22_blank) |

## [Payments Bank](https://www.paisabazaar.com/banking/%22%20%5Cl%20%221566457498499-1849f13d-cc7c)

This is a relatively new model of bank in the Indian Banking industry. It was conceptualised by the RBI and is allowed to accept a restricted deposit. The amount is currently limited to Rs. 1 Lakh per customer. They also offer services like ATM cards, debit cards, net-banking and mobile-banking.

## [Co-operative Banks](https://www.paisabazaar.com/banking/%22%20%5Cl%20%221566457700240-804c4684-44b8)

Co-operative banks are registered under the Cooperative Societies Act, 1912 and they are run by an elected managing committee. These work on no-profit no-loss basis and mainly serve entrepreneurs, small businesses, industries and self-employment in urban areas. In rural areas, they mainly finance agriculture-based activities like farming, livestock and hatcheries.

|  |  |
| --- | --- |
| [**Urban Co-operative Banks**](https://www.paisabazaar.com/banking/#urban_co_operative_banks) | [**State Co-operative Banks**](https://www.paisabazaar.com/banking/#state_co_operative_banks) |

### [Urban Co-operative Banks](https://www.paisabazaar.com/banking/%22%20%5Cl%20%221566458086353-cb941ec8-470b)

Urban Co-operative Banks refer to the primary cooperative banks located in urban and semi-urban areas. These banks essentially lent to small borrowers and businesses centered around communities, localities work place groups.

According to the RBI, on 31st March, 2003 there were 2,104 Urban Co-operative Banks of which 56 were scheduled banks. About 79% of these are located in five states, – Andhra Pradesh, Gujarat, Karnataka, Maharashtra and Tamil Nadu.

### [State Co-operative Banks](https://www.paisabazaar.com/banking/%22%20%5Cl%20%221566458086473-10a9fd53-6411)

A State Cooperative Bank is a federation of the central cooperative bank which acts as custodian of the cooperative banking structure in the State.

Banks can also be classified on the basis of Scheduled and Non-Scheduled Banks. It is essential for every individual to check if they are holding their savings or deposit account with a Scheduled Bank or Non-Scheduled Bank. Scheduled Banks are also covered under the depositor insurance program of Deposit Insurance and Credit Guarantee Corporation (DICGC), which is beneficial for all the account holders holding a savings and fixed / recurring deposit account. Under DICGC, bank deposits of up to Rs 1 lakh, including the fixed, savings, current and recurring deposits, per depositor per bank in the event of bank failure are insured.

## [Scheduled Banks](https://www.paisabazaar.com/banking/%22%20%5Cl%20%221566459546472-e37fdd99-7262)

Scheduled banks are covered under the 2nd Schedule of the Reserve Bank of India Act, 1934. To qualify as a scheduled bank, the bank should conform to the following conditions:

* A bank that has a paid-up capital of Rs. 5 Lakh and above qualifies for the schedule bank category
* A bank requires to satisfy the central bank that its affairs are not carried out in a way that causes harm to the interest of the depositors
* A bank should be a corporation rather than a sole-proprietorship or partnership firm

## [Non-scheduled Banks](https://www.paisabazaar.com/banking/%22%20%5Cl%20%221566459546541-b1d0613b-c315)

Non-scheduled banks refer to the local area banks which are not listed in the Second Schedule of Reserve Bank of India. Non-Scheduled Banks are also required to maintain the cash reserve requirement, not with the RBI, but with them.

# Different Types of Bank Accounts in India & their Features

In India, Bank Accounts are mainly categorized into Demand Deposits (Savings Account and Current Account), Time Deposits (Fixed deposits and Recurring deposits), and Non-resident accounts.

The categorization of types of bank accounts in India depends on various parameters such as accessibility to the account, liquidity, and the amount of interest that can be earned on the deposited funds in the account. There are further categorization based on various profiles like NRI, Women, STudent, Salaried Professionals, etc. In this article, we will brief you about **different types of bank accounts in India** with their distinct features.

## ****Different Types of Bank Accounts in India****

There are mainly three types of Banking accounts in India which are usually offered by most banks in India. These are:

1. **Demand Deposits**
	* Saving Account
	* Current Account
2. **Term Deposits**
	* Fixed Deposit
	* Recurring Deposit
3. **Non-Resident Deposits**
	* Foreign currency Non-Resident
	* Non-Resident External Rupee Account
	* Non-Resident Ordinary Rupee Account

### ****1. Demand Deposit****

Demand Deposit, as the name suggests are types of accounts that offer money accessibility on demand. They are usually easier to access but offer a lower interest rate as they are more uses for day to day business and expenses. Ther is no penalty or advanced notice required to withdraw money from the demand deposit accounts.

**There are two types of bank accounts under Demand Deposit accounts.**

**1- Savings Account:** Savings Account is the most common and basic type of bank account in India. It allows you to deposit money and withdraw funds at your convenience. The interest earned on the savings account is generally low.

**Further classification of Savings accounts**

|  |  |
| --- | --- |
| **Types of Saving Account** | **Features and Details** |
| Basic Savings Bank Deposit Accounts (BSBDA)**Note:** Jan Dhan accounts under PMJDY comes under this category. | * There is no requirement of minimum balance.
* There is an upper limit to the monetary balance.
* Especially available for the economically weaker sections.
* only one BSBDA account in one bank is permitted.
* No limitations on age and income criteria of the customer.
 |
| Basic Saving Bank Deposit Accounts Small scheme | * They have provisions of relaxed KYC and self-attested required documents.
* The upper limit on credit is one lakh rupees in a year
* The upper monetary limit on deposit is Rs.50000/-
* One can open the account for only 12 months if further extension is required the applicant must submit the required documents.
 |
| Normal Saving Bank Account | * Minimum balance provisions vary from bank to bank.
* Mostly help be salaried individuals, students, etc.
 |

Note: Know Your Customer (KYC) norms are applicable to all the accounts now.

**What is No Frills Account?**

Under these accounts, there was a provision of ‘nil’ or very low minimum balance. These were in operation especially for the poor economic section of the society. After the BSBDA, all the no-frill accounts are transferred to BSBDA.

**2- Current Account**

Current accounts are the types of bank accounts that are designed to facilitate frequent transactions for business owners. It is also known as a financial account. Such bank accounts allow the individual to carry out an unlimited number of transactions regularly.

**Other features of the current account are :**

* No restriction on the number of transactions in a day
* Overdraft facility at an agreed limit.
* Flexible and high liquidity options.
* Higher minimum balance as compared to saving account
* KYC guidelines are to be followed

### ****2. Term Deposit****

Term deposit accounts are like investments for a fixed-term. It allows depositing of the money in the bank account for an agreed time and at a fixed interest rate. They generally range from one month to a few years. The interest rate on Term deposit accounts is generally more than demand deposit accounts.

**There are two types of bank accounts under Term Deposit accounts.**

|  |  |
| --- | --- |
| **Types of Term Deposit Account** | **Features and Details** |
| Fixed Deposit | * In this type of deposits, banks accept deposits varying from 7 days to a maximum of 10 years.
* The interest rate varies from bank to bank.
* At the end of the agreed term, you receive the deposited amount with interest.
 |
| Recurring Deposit | * In this type of accounts, banks accept a fixed amount from a customer in fixed installments at a regular interval of time.
* The deposit period varies from six months to ten years.
 |

### FIXED DEPOSIT ACCOUNT

#### a) SHORT DEPOSIT RECEIPT

* Banks accepts deposits from customers varying from 7 days to a maximum of 10 years.
* The period of 7 days & above but not exceeding 179 days deposits is classified as ‘Short Deposits’.
* The minimum amount that can be deposited under this scheme is Rs. 5 lakh for a period of 7-14 days.

#### b) FIXED DEPOSIT RECEIPT

* Any resident individual- single accounts, two or more individuals in joint accounts, Associations, Minors, societies, clubs etc., are eligible for this account.
* The minimum FDR in metro & Urban branches is Rs. 10,000/- & in rural & semi urban & for Senior citizens is Rs.5000/- .
* For the subsidy kept under the government sponsored schemes, Margin money, earnest money & court attached/ordered deposits, minimum amount criteria will not be applicable.
* Depositors may ask for repayment of their deposits before maturity. Repayment of amount before maturity is allowable.
* Interest rate differs from bank to bank depending upon the tenure of the deposits & as when the bank changes the rate.
* Additional interest of 0.50% is offered for senior citizens on deposits placed for a year & above.

### RECURRING DEPOSIT ACCOUNT

#### CUMULATIVE DEPOSIT SCHEME

* Any resident individual- single accounts, two or more individuals in joint accounts, Associations, clubs, Institutions/Agencies specifically permitted by the RBI etc., are eligible to open this account in single/joint names.
* Periodic/Monthly installments can be for any amount starting from as low as Rs.50/- onwards.
* Account can be opened for any period ranging from 6 months to 120 months, in multiple of 1 month.
* The amount selected for installment at the start of the scheme will be payable every month.
* The number of installments once fixed, cannot be altered.
* Approved rate of interest is compounded every quarter.
* The amount after maturity will be paid to customers one month after the deposit of the last installment.
* Pass book will be given to the depositor.
* TDS will be applicable on the interest, as per the latest changes in the Income Tax Act on cumulative deposits also.

### ****3. Non-Resident Deposits****

Non-Resident Deposits are primarily for the expatriate or the NRIs. it is used by them to deposit their savings in Indian Banks while staying outside the country.

**Currently, there are three types of Non-Resident Deposit types of bank accounts in India**

|  |  |
| --- | --- |
| **Types of Non-Resident Deposit Account** | **Features and Details** |
| Foreign currency Non-Resident (Banks): FCNR (B) | * Such accounts only accept and are maintained in foreign currency
* The currencies that are accepted are US dollar, Euro, Pound Sterling, Japanese Yen, Australian Dollar and Canadian Dollar.
* Only the term deposit is accepted.
* Such account deposits are non-taxable in India.
* Such accounts are considered as fully repatriable, both the principal amount and the interest earned.
 |
| Non-Resident External Rupee Account (NRE) | * The currency acceptable under these accounts is only Indian Rupees.
* Term deposits and Demand deposits are both accepted.
* Non-taxable in India
* These accounts are considered as fully repatriable, both the principal amount and the interest earned.
 |
| Non-Resident Ordinary Rupee Account (NRO) | * NRO Account services all the individuals who reside outside of India.
* Any Indian resident who migrated abroad can move their account to this category.
* Term deposits and saving deposits are allowed.
* These accounts are taxable in India.
* In these accounts, the principal amount is non-repatriable.
* Interest amount can be repatriable.
 |

## ****Other Types of Bank Accounts in India****

|  |  |
| --- | --- |
| **Types of Bank Accounts** | **Features and Details** |
| DEMAT Account | * DEMAT stands for Dematerialised Accounts.
* Primarily used for shares transaction in electronic format.
 |
| Nostro Account | * These accounts are held in foreign Banks by Indian Banks.
* They are held in foreign currency.

 Example- PNB holds an account in Bank of America in US dollars. |
| Loro Account |  Such accounts are used for two banks making a transaction where a third bank holds an account.For Example: If Punjab National bank wants to do some transactions with Bank of America in dollars in the USA, but they don't have an account with Bank of America. on the other hand, State Bank of India has an account with Bank of America in the USA in dollars.State bank of India makes the transaction in the bank of America in the USA on behalf of Punjab National bank. In such a case, for SBI this account is known as Nostro Account and for Punjab National Bank it is known as Loro Account. |
| Vostro Account | Vostro Account is maintained and held in India in Indian Rupees by the foreign banks.Example: Bank of America has an account in the State Bank of India in Indian Rupees. |
| Escrow Account | It is used for a transaction between two parties where a temporary pass through an account is held by third parties |
| GILT Account | * These are used to hold Government securities and Treasury bills in the Demat form.
* These are maintained and held by investors with the primary dealers.
 |

# बैंक में खातों के प्रकार: Types of Bank Accounts in India (Hindi)

बैंक खाते आम रूप से चार प्रकार (four types) के होते हैं:-

**1) चालू खाता – Current Account**

**2) बचत खाता- Savings Account**

**3) आवर्ती जमा खाता- Recurring Deposit Account**

**4) सावधि जमा खाता- Fixed Deposit Account**

## ****1. चालू खाता – Current Account****

यदि आप कोई व्यापार कर रहे हैं तो बिज़नस का लेन देन आप सेविंग अकाउंट के माध्यम से नहीं कर सकते इसके लिए बैंक आपको current account (चालू खाता) खोलने की सलाह देता है|

यह अकाउंट बिज़नेस के नाम से होता है| बिज़नेस के लिए अलग से अकाउंट इसलिए खोला जाता है क्योंकि बिज़नस में महीने में बहुत ज्यादा लेन देन होता है, और सेविंग अकाउंट में पैसे निकालने की एक सीमा होती है|

**आइये जानते हैं इस अकाउंट की कुछ विशेषताएं**

* बैंक चालू खाते में 3 महीने में एक बार चार्ज काटती है|
* वैसे तो चालू खाते पर किसी भी प्रकार की ब्याज नहीं मिलती है, लेकिन अब कई बैंक ब्याज दे रही हैं|
* इस अकाउंट में बैंक, व्यापारी को बैंक ओवरड्राफ्ट की सुविधा भी देती है|
* चालू खाते में सेविंग अकाउंट की तुलना में ज्यादा लेन देन किया जा सकता है|
* इस अकाउंट में सेविंग अकाउंट की तुलना में ज्यादा बैलेंस बनाकर रखना पड़ता है, सरकारी बैंक में यह खाता 5,000 रूपए से खुल जाता है, लेकिन प्राइवेट बैंक में कम से कम 10,000 रूपए बैलेंस हमेशा रखना पड़ेगा|
* इस अकाउंट में दिन में आप जितनी मर्जी लेन देन कर सकते हैं|
* यदि आप बैलेंस मेन्टेन नहीं कर पाते हैं तो आपको पेनल्टी का सामना करना पड़ सकता है|

## ****2. बचत खाता- Savings Account****

नाम से ही स्पस्ट है कि सेविंग अकाउंट सेविंग करने के लिए बनी है. हम-आप जैसे लोग चाहते हैं कि हमें हमारे जमे पैसे पर सूद (interest) मिले और कम-से-कम अपने अकाउंट से पैसे निकाले. जितना जमा उतना अच्छा. कोई भी व्यक्ति, चाहे वो किसी कंपनी में काम करता हो, सरकारी नौकर हो, पेन्शनर हो, छात्र हो….वह सेविंग अकाउंट में अपना अकाउंट खोल सकता है. जैसा मैंने बताया कि सेविंग अकाउंट में धारक को जमे पैसे पर इंटरेस्ट  भी मिलता है. बचत खाता के धारक कभी भी अपने जमा धन को बैंक से निकाल सकते हैं और डाल सकते हैं. पैसे जमा करने की संख्या में restriction तो नहीं पर पैसे बाहर निकालने की संख्या में कुछ restrictions जरुर हैं. जैसे आप Rs. 50 से कम पैसे नहीं निकाल सकते या ATM से ६ महीने के अन्दर 30 से ज्यादा बार पैसे नहीं निकाल सकते (this policy changes time to time by banks). चालू खाते की तरह आप कभी भी, कहीं भी, जितना भी….पैसे नहीं निकाल सकते. अधिकांश बैंक अपने ग्राहक को अपने अकाउंट में न्यूनतम राशि बनाए रखने के लिए बाध्य करती है.

बचत खाता मूल रूप से 7 प्रकार के होते हैं-

**Regular Basic Saving Bank Account:-**

बैंक व्यक्तिगत रूप से एक अकाउंट खोलता है जिसे हम साधारणतय सेविंग अकाउंट के नाम से जानते हैं| यह अकाउंट एक महत्वपूर्ण अकाउंट है और हर किसी के पास होता है|

आइये जानते हैं इसकी कुछ विशेषताएं

* इस अकाउंट में एक निश्चित बैलेंस हमेशा रखना पड़ता है| सरकारी बैंक में यह 500 रूपए से 1000 रूपए तक होता है| यदि आप चेक बुक लेते हैं तो आपको 1000 रूपए रखने होंगे और नहीं लेते है तो 500 रूपए| लेकिन फिर भी अलग अलग बैंक की अलग अलग शर्ते हैं, आप बैंक जाकर अधिकारी से सम्पूर्ण जानकारी ले लें|
* प्राइवेट बैंक में अकाउंट खुलबाने पर 5000 या 10,000 का बैलेंस मेन्टेन करना पड़ सकता है|
* इस अकाउंट में आपको डेबिट कार्ड फ्री मिलेगा कोई चार्ज नहीं है|
* आप महीने में कितनी भी बार पैसे जमा कर सकते हैं|
* लेकिन आप कितनी बार पैसे निकाल सकते हैं, इसकी एक निश्चित सीमा है, किसी बैंक में महीने में 6 बार या 5 बार हो सकता है| यह जानकारी आप अकाउंट खुलबाने से पहले बैंक अधिकारी से ले ले
* किसी दूसरी बैंक के एटीएम से पैसे निकालने की भी अपनी सीमा है, यदि आप उस सीमा से ऊपर किसी दुसरे बैंक के एटीएम से पैसा निकलते हैं तो आपको चार्ज लगेगा|
* इसके अलावा चेक बुक इस अकाउंट के साथ फ्री मिलती है, सरकारी बैंक में चेक बुक ज्यादा फ्री मिलती है, लेकिन प्राइवेट बैंक में फ्री चेक की संख्या कम होती है, उसके बाद चार्ज देना पड़ता है|
* ब्याज की यदि बात करें, सरकारी बैंक सेविंग अकाउंट पे करीब 4% और कई प्राइवेट बैंक जैसे kotak bank, yes बैंक इस अकाउंट पर 6% तक ब्याज दे रहे हैं|

कोई और आपके प्रश्न हों तो आप कमेंट में पूछ सकते हैं|

**Salary Bank Account:-**

यदि आप किसी कंपनी में नौकरी कर रहे हैं, तो आपको सैलरी कंपनी आपके सैलरी अकाउंट में हर महीने ट्रान्सफर कर देती हैं| यह अकाउंट सिर्फ नौकरी करने वाले लोगों का खुलता है|

* इस अकाउंट में कोई बैलेंस मेन्टेन नहीं करना पड़ता है, आप जीरो बैलेंस भी रखंगे तो कोई पैसे नहीं कटेंगे|
* इसके अलावा फ्री चेक बुक, एटीएम कार्ड, डिमांड ड्राफ्ट की फैसिलिटी भी होती है, लेकिन आपको यह फैसिलिटी कितनी फ्री मिलेगी सब कुछ बैंक पर निर्भर करता है|

**Joint Bank Account:-**

जॉइंट अकाउंट एक सेविंग अकाउंट ही होता है, लेकिन यह एक से ज्यादा लोगों के द्वारा चलाया जाता है|

* इस अकाउंट में कोई भी पैसे निकाल सकता हैं, कोई भी पैसे जमा कर सकता है,
* इस अकाउंट में हर एक अकाउंट होल्डर को अलग डेबिट कार्ड दिया जाता है
* यह अकाउंट आप किसी भी बैंक में खुलवा सकते हैं|
* जॉइंट अकाउंट का कांसेप्ट वैसे तो पति पत्नी के लिए आया था लेकिन अब कई बैंक परिवार के किसी भी चार सदस्य को अकाउंट होल्डर बना सकते हैं

**Woman’s Savings Bank Account:-**

जैसे नाम से ही पता लग रहा है इस तरह का अकाउंट केवल महिलाओं के लिए ही खोला जाता है|

* इस अकाउंट में महिलाओं को अतिरिक्त सुविधा दी जाती हैं, जैसे
* बैंक के दुसरे उत्पादों पर डिस्काउंट,
* पर्सनल इन्स्युरेंस,
* ज्यादा ब्याज आदि

**Minor Bank Account:-**

यह एक तरह का जॉइंट अकाउंट ही होता है, जिसमें एक अकाउंट होल्डर 18 साल से कम उम्र का और दूसरा अकाउंट होल्डर माता पिता या गार्डियन में से एक कोई भी होना चाहिए| यह अकाउंट सभी बैंकों में उपलव्ध है|

**प्रधान मंत्री जन धन योजना सेविंग बैंक अकाउंट:-**

यह अकाउंट मोदी जी ने इसलिए चलाया जिससे गरीब लोग भी बैंक में अकाउंट खोल सकें,

* यह एक जीरो बैलेंस अकाउंट है,
* इस अकाउंट में महीने में चार बार पैसा निकाला जा सकता है
* किसी भी तरह की चेक बुक इस अकाउंट में नहीं मिलती है|
* इसके अलावा 30,000 रूपए का इन्स्युरेंस कवर और
* 1 लाख रूपए का दुर्घटना इन्स्युरेंस इस अकाउंट के साथ मिल जाता है|

## ****3. आवर्ती जमा खाता- Recurring Deposit Account****

इस तरह के अकाउंट में खाता धारक हर महीने एक निश्चित पैसा इस अकाउंट में डालता है और अवधि पूरी हो जाने पर प्रिंसिपल प्लस ब्याज का पैसा मिल जाता है|

इस अकाउंट में आप सेविंग और करंट अकाउंट की तरह बीच में पैसा नहीं निकाल सकते हैं, पैसा अवधि पूरी होने के बाद ही मिलेगा|

यदि आपको पैसे की अकस्मात् जरुरत पड़ जाती है तो खाताधारक को आर.डी को ख़त्म करना होता है, ऐसा करने पर बैंक कुछ चार्ज काटकर प्रिंसिपल प्लस ब्याज का पैसा खाताधारक को लौटा देता है|

**आइये जानते हैं इस बैंक अकाउंट की कुछ विशेषताएँ**

* R.D में आप कम से कम कितने पैसे जमा करा सकते हैं इसके बारे में कोई दिशा निर्देश नहीं हैं फिर भी आप कम से कम हर महीने 10 रूपए से इसे शुरू कर सकते हैं और ज्यादा से ज्यादा कितना भी अमाउंट हो सकता है|
* यह खाता आप 6 महीने से लेकर 10 साल तक खोल सकते हैं|
* ब्याज फिक्स्ड डिपाजिट अकाउंट के बराबर ही होती है, साधारणतय यह सेविंग अकाउंट पर मिलने वाली व्याज से तो ज्यादा ही होती हैं|
* बीच में खाताधारक पैसा नहीं निकाल सकता है, यदि जरुरत है ही तो आप अकाउंट को बंद करवा सकते हैं और पैसे ले सकते हैं|
* इस अकाउंट में अब तक जमा हुए पैसे के आधार पर बैंक आपको लोन दे सकता है, जितना पैसा अकाउंट में जमा है उसका 80% तक लोन मिल सकता है|

## ****4. सावधि जमा खाता- Fixed Deposit Account****

इस तरह के अकाउंट में खाता धारक एक ही बार में एक बड़ा अमाउंट बैंक में एक निश्चित अवधि तक जमा कराता है, अवधि पूरी हो जाने के बाद ब्याज के साथ सारा पैसा खाता धारक को दे दिया जाता है|

* इस खाते में आप कम से कम 7 दिन और ज्यादा से ज्यादा 10 साल तक के लिए पैसे जमा करा सकते हैं|
* ब्याज की दर हर एक बैंक की अलग होती है और मार्किट के उतार चढाव के साथ भी व्याज की दरों में बदलाव आता रहता है|
* आप समय से पहले भी पैसा निकाल सकते हैं, बैंक कुछ फाइन (पेनल्टी) चार्ज करता है बाकि पैसा खाताधारक को वापस कर दिया जाता है|

विशेष प्रकार के बैंक खाते-

**Sweep Bank Account**

* बचत cum सावधि जमा खाता (Flexi fixed deposit scheme) और स्वीप अकाउंट (Sweep Account)

**NRI (Non Resident Indian Deposit Bank Account)**

* NRE Savings/Fixed Deposit Account
* NRO Savings Fixed Deposit Account
* FCNR Fixed Deposit Account

**NRI (Non Resident Indian Deposit Bank Account)**

जैसा की नाम से ही पता चल रहा है, यह अकाउंट केवल NRI (विदेशी भारतियों) के द्वारा ही खोला जा सकता है| यह अकाउंट भी तीन प्रकार हो होता है| आइये चर्चा करते हैं|

**Non-Resident External Rupee Account (NRE) Savings/Fixed Depsoit Bank Accounts**

Non Resident External (NRE) सेविंग अकाउंट ऐसे भारतीयों के लिए है जो विदेश में रहते हैं, इस अकाउंट के माध्यम से विदेश में कमाए हुए धन को आसानी से भारत में भेज सकते हैं|

**आइये जानते हैं इस अकाउंट की कुछ विशेषताएँ**

* NRE खाता सेविंग और फिक्स्ड डिपाजिट दोनों तरीके से खोला जा सकता है|
* इस तरह के अकाउंट में ब्याज पर कोई टैक्स नहीं लगता है, और न ही कोई वेल्थ टैक्स
* टैक्स में छूट केवल व्यक्तिगत (Individual) खाताधारक को ही मिलता है, किसी विदेश में काम कर रही कंपनी को नहीं
* यह अकाउंट रूपए में ही मेन्टेन किया जाता है
* यह अकाउंट दो विदेशी भारतीयों के द्वारा मिलकर खोला जा सकता है लेकिन कोई भारतीय इसमें भागिदार नहीं बन सकता है|
* इस अकाउंट में भारतीय मुद्रा में पैसा जमा नहीं किया जा सकता है|

**Foreign Currency Non-Resident Bank Deposit Account (FCNR) Fixed Deposit Bank Accounts**

यह एक तरह का फिक्स्ड डिपाजिट अकाउंट होता है, और एक विदेशी भारतीय के द्वारा खोला जा सकता है|

**आइये जानते हैं इस अकाउंट की कुछ विशेषताएँ**

* इस खाते में जमा हुए पैसे और ब्याज दोनों पर कोई टैक्स नहीं लगता है
* दो NRI मिलकर अकाउंट खोल सकते हैं|
* इस खाते पर खाताधारक को ओवरड्राफ्ट मिल सकता है|
* NRI, भारतीय नागरिक के साथ मिलकर अकाउंट नहीं खोल सकता है|
* इस अकाउंट में निम्नलिखित मुद्रा जमा की जा सकती हैं|
US Dollars, Pounds, EURO, Japanese Yen, Australian Dollars, Canadian Dollars
* भारतीय मुद्रा जमा नहीं कर सकते हैं|
* कम से कम 1 साल और ज्यादा से ज्यादा 5 साल के लिए FD की जा सकती है

**Non-Resident Ordinary Rupee Account (NRO) Savings Fixed Deposit Bank Accounts**

**आइये जानते हैं इस अकाउंट की कुछ विशेषताएँ**

* NRO अकाउंट सेविंग और फिक्स्ड डिपाजिट दोनों तरीके से खोला जा सकता है|
* यह अकाउंट भारतीय मुद्रा में मेन्टेन किया जाता है
* इसके आलावा इस अकाउंट को NRI किसी भारतीय के साथ मिलकर भी खोल सकता है|
* इस अकाउंट में जमा पैसा और ब्याज दोनों पर टैक्स लगता है
* इस अकाउंट में भारतीय मुद्रा भी जमा की जा सकती हैं|

**Demat Account (डीमेट अकाउंट):-**

**Demat अकाउंट** शेयर और सिक्योरिटीज की ट्रेडिंग के लिए खोला जाता है| यहाँ आप अपने ख़रीदे हुए शेयर रख सकते हैं और इसी अकाउंट से बेच भी सकते हैं|

**Nostro Account (नोस्त्रो अकाउंट):-**

यदि भारतीय बैंक विदेशी बैंक में अपना अकाउंट खोलती है उसे नोस्त्रो अकाउंट बोला जाता है, जैसे पंजाब नेशनल बैंक यदि अमेरिका की बैंक में अकाउंट खोलती है इस तरह के अकाउंट को नोस्त्रो अकाउंट कहा जाता है|

**Loro Account (लोरो अकाउंट):-**

इस अकाउंट को समझने के लिए एक उदहारण लेते हैं मान लेते हैं, PNB बैंक का अकाउंट एक अमेरिकन बैंक में है, लेकिन एक ऑस्ट्रेलिया की बैंक अमेरिका में कोई लेन देन करना चाहती है लेकिन इसका अकाउंट अमेरिकन बैंक में नहीं है| ऐसी स्थिति में यदि ऑस्ट्रेलिया की बैंक पंजाब नेशनल बैंक के अकाउंट के माध्यम से लेन देन करती है तो यह अकाउंट PNB के नोस्त्रो और ऑस्ट्रेलिया की बैंक के लिए लोरो कहलाएगा|

**Vostro Account (वोस्त्रो अकाउंट)**

यदि कोई विदेशी बैंक भारतीय बैंक में अकाउंट खोलती है तो यह अकाउंट वोस्त्रो अकाउंट कहलाता है, यह अकाउंट भारतीय मुद्रा में ही रखा जाता है|

**Escrow Account (एस्क्रौ अकाउंट)**

एस्क्रौ अकाउंट दो पार्टियों के बीच लेन देन के लिए तीसरी पार्टी के पास रहता है, यानि बैंक के पास| यह ज्यादातर रियल स्टेट में प्रयोग किया जाता है|

एक उदहारण से समझते हैं, यदि आप कोई अपार्टमेंट में फ्लैट लेना चाहते हैं और अभी फ्लैट निर्माणाधीन है, और आप पूरा पैसा सीधा बिल्डर को नहीं देना चाहते हैं|

ऐसी स्थिति में एक एस्क्रौ अकाउंट बैंक के पास खोला जाता है, आप पैसा सीधा बिल्डर को न देकर एस्क्रौ अकाउंट में जमा करेंगे और जैसे जैसे फ्लैट बनता जाएगा उसमें से पैसा बिल्डर को मिलता जाएगा|

**Gilt Account (गिल्ट अकाउंट)**

इस तरह का अकाउंट गवर्नमेंट सिक्योरिटीज को रखने के लिए प्रयोग किया जाता है|